# ये है साहस की पत्रकारिता : इंडियन एक्सप्रेस ने स्मृति ईरानी और दिल्ली हाईकोर्ट को आइना दिखाया!

**संजय कुमार सिंह**

**प्र**चार देखिए, प्रचारकों का खेल देखिए और कल्पना कीजिए कि मीडिया 2014 से पहले जैसा होता तो आज क्या खबरें होतीं... जब यह प्रचारित कर दिया गया कि गोवा का चर्चित बार स्मृति ईरानी की बेटी के नाम से नहीं है और सारा विवाद सिर्फ बदनाम करने के लिए है तो आज इंडियन एक्सप्रेस ने यह खबर छाप दी कि ईरानी परिवार के 'कारोबार' का पता वही है जो चर्चित रेस्त्रां का है।

वैसे, अगर आपने स्मृति ईरानी की बेटी का वीडियो देखा हो और मान लें कि यह सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध है और देखा जा चुका तो यकीन नहीं कर पाएंगे कि रेस्त्रां से बिटिया का संबंध नहीं है। पर प्रचार अजूबे करता है। देखते रहिए। इसलिए भी कि प्रचारकों के पास पैसा और ताकत भी है।

इंडियन एक्सप्रेस की खबर में क्या है उसे मोटे तौर पर रवीश कुमार ने हिन्दी में बताया है, जो नीचे है।

परिवारवाद की विरोधी स्मृति ईरानी का बिज़नेस में ईरानी परिवार है? जिस दिन दिल्ली हाई कोर्ट ने फ़ैसला दिया कि गोवा का बार ईरानी और उनकी बेटी का नहीं है उसके अगले दिन इंडियन एक्सप्रेस रिपोर्ट छापता है कि जिस जगह पर यह बार है, उसमें उन कंपनियों का निवेश है, जिसमें ईरानी परिवार की हिस्सेदारी है।

इस ख़बर के बाद गोदी मीडिया विपक्ष के भ्रष्टाचार का कवरेज तेज़ कर देगा ताकि यह ख़बर खो जाए। या आज कोई बड़ा कांड होगा, जिसकी आँधी में यह ख़बर उड़ जाएगी। मुझे लगता है एक्सप्रेस की रिपोर्ट पर स्मृति ईरानी तो प्रेस कांफ्रेंस करेंगी। क्या आपको भी यही लगता है? एक्सप्रेस की रिपोर्ट ने हाई कोर्ट के फ़ैसले को किस कटघरे में खड़ा कर दिया है? क्या आप समझने लायक़ बचे भी हैं?

इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी इस रिपोर्ट में स्थापित किया है कि ईरानी परिवार ने दो कंपनियाँ बनाई हैं। एक का नाम है graya Mercantike Pvt Ltd, दूसरी का नाम है, graya Agro Farms Ltd, दोनों में स्मृति के पति हैं, पुत्र और पुत्रियाँ शेयर होल्डर हैं। इन दोनों में कुल मिलाकर चार ईरानी हैं। दोनों में ज़ुबान ईरानी की हिस्सेदारी 67 प्रतिशत है। बेटियों की हिस्सेदारी भी एक समान है। ये चारों मिलकर 2020-21 में दो कॉपियाँ बनाते हैं और एक तीसरी कंपनी Eightall food beverages में निवेश करते हैं। Eightall 2020 में बनी थी। इसी में ईरानी परिवार की दो कंपनियों का निवेश होता है। एक्सप्रेस के संदीप सिंह और मयूरा जांवलकर ने अपनी खोजी रिपोर्ट में दिखाया है कि GSTIN रिकार्ड में Eightall ने वही पता दिया है, जिस पर Silly Souls Goa Cafe है। दोनों का पता एक ही है। यह भी साफ़ किया है कि दोनों कंपनियों में स्मृति ईरानी का शेयर नहीं है। उनके बच्चों और पति का है।

# हिन्दू राष्ट्र पोस्टर को लेकर रवीश कुमार ने किया पीएम मोदी से सवाल, 9 अगस्त को यह लागू हुआ तो हर घर तिरंगा अभियान का क्या होगा

देश के जाने माने पत्रकार रवीश कुमार ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर पूछा कि अब अगर यह हुआ तो तिरंगा का क्या होगा?

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, भारत सरकार,

मुझे किसी ने ई-मेल से यह पोस्टर भेजा है कि लखनऊ के मेन पोलिटेकनिक चौराहे पर यह पोस्टर लगा हुआ है। मैंने वहाँ जाकर नहीं देखा है कि पोस्टर लगा है या नहीं। बस मान कर चल रहा हूँ कि भेजने वाले ने सही जानकारी दी होगी। ऐसे पोस्टर लगते भी रहते हैं। इस पोस्टर में भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने का आह्वान किया गया है।

**पत्र इसलिए लिख रहा हूँ कि मनोज श्रीवास्तव और सुरेश प्रताप सिंह 9 अगस्त को जंतर मंतर पर भगवा क्रांति करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि हम सभी तिरंगा झंडा ख़रीद कर घर-घर फहराएँ। लेकिन ये लोग तो कुछ और देश और संविधान बनाने की ताक में हैं। इनका झंडा भी तिरंगा नहीं है। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम बाज़ार से तिरंगा लेकर आ रहे हैं और देश में झंडा ही बदल गया है। मनोज और सुरेश के आह्वान से मैं भ्रमित हो गया हूँ। मुझे एक और झंडा आता हुआ दिखाई दे रहा है जो तिरंगा से अलग है।**

कृपया आप स्पष्ट करें कि हम 15 अगस्त के लिए तिरंगा झंडा ख़रीदें या नहीं? अगर ये 9 अगस्त को भगवा क्रांति कर देंगे और देश को हिन्दू राष्ट्र बना देंगे तब तो करोड़ों लोग जो तिरंगा ख़रीद रहे हैं, उनका पैसा तो बर्बाद हो जाएगा। मनोज और सुरेश फ़रमान जारी कर देंगे कि लोग हिन्दू राष्ट्र का झंडा ख़रीदें। सभी को ख़रीदना ही पड़ेगा।

सूरत में व्यापारी दिन रात लगाकर तिरंगा झंडा बना रहे हैं। इधर लखनऊ के मनोज और सुरेश पोस्टर पर कोई और झंडा लगा

रहे हैं। इससे तो गुजरात के व्यापारियों को घाटा हो जाएगा।अगर इन लोगों ने तिरंगा झंडा नहीं फहराया, पोस्टर में झंडा नहीं बदलवाया तब तो आपका घर-घर तिरंगा अभियान फेल हो जाएगा। पता चला हिन्दू राष्ट्र की क्रांति करने वालों ने तिरंगा फहराया ही नहीं।

आपसे विनती है कि आप मनोज श्रीवास्तव और सुरेश प्रताप सिंह के इस पोस्टर को संज्ञान में लेंगे। दोनों से बात कर 15 अगस्त तक के लिए भगवा क्रांति स्थगित करने के लिए कहेंगे। इनसे यह भी पूछें कि आपकी भगवा क्रांति में क्या कमी रह गई कि आज मनोज और सुरेश जैसे प्रखर युवाओं को अलग से भगवा क्रांति करनी पड़ रही है।

**मेरी राय में आप मनोज और सुरेश को मनाएँ कि 15 अगस्त तक भारत को हिन्दू राष्ट्र न बनाएँ। तिरंगा झंडा की काफ़ी सेल हो चुकी है। लोगों को घाटा होगा। पहले वाले राष्ट्र के हिसाब से तिरंगा फहराने के अभियान को सफल होने दें। मनोज और सुरेश जैसे वीर राष्ट्र वादी युवा आपकी बात को नहीं टालेंगे।**

**आशा है आप ठीक होंगे।**

**आपका,**

**रवीश कुमार,**

**विश्व का पहला ज़ीरो टीआरपी ऐंकर**

# हैलंग में महिलाओं से घास का गट्ठर छीन बच्चे के साथ हिरासत में लिए जाने के मामले में बाल आयोग ने भी लिया संज्ञान, एसपी चमोली से 5 अगस्त तक मांगा जवाब

**है**लंग में महिलाओं से घास का गट्ठर छीन बच्चे के साथ हिरासत में लिए जाने के मामले में बाल आयोग ने भी लिया संज्ञान, स्क्क चमोली से 5 अगस्त तक मांगा जवाब

गोचर से घास लाती महिलाओं से घास के गट्ठर छीनकर उन्हें एक ढाई साल के मासूम बच्चे के साथ हिरासत में लिया था, बच्चे की इसी हिरासत को लेकर भाकपा माले के गढ़वाल प्रभारी इंद्रेश मैखुरी ने उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग से बच्चे की अवैध कस्टडी को लेकर शिकायत की थी...

चमोली जिले के हैलंग गांव में महिलाओं से घास गट्ठर छीनकर उन्हें हिरासत में लिए जाने के मामले में अब बाल आयोग ने भी अपना दखल दे दिया है। आयोग ने भाकपा माले नेता इंद्रेश मैखुरी की शिकायत पर एक मासूम बच्चे की पुलिस कैद पर चमोली जिले की पुलिस अधीक्षक से जवाब तलब किया है।

जैसा की जनज्वार के पाठक अवगत ही हैं कि देश भर में गूंजने वाली 15 जुलाई को घटी इस घटना में पुलिस ने गोचर से घास लाती महिलाओं से घास के गट्ठर छीनकर उन्हें एक ढाई साल के मासूम बच्चे के साथ हिरासत में लिया था। मासूम बच्चे की इसी हिरासत को लेकर भाकपा माले के गढ़वाल प्रभारी इंद्रेश मैखुरी ने उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग से बच्चे की अवैध कस्टडी को लेकर शिकायत की थी। अब इसी शिकायत पर आयोग के सदस्य विनोद कपरवाण ने चमोली जिले की पुलिस अधीक्षक से मामले में पूरी रिपोर्ट तलब की है।

आयोग की ओर से एसपी चमोली को भेजे गए पत्र में आयोग सदस्य ने लिखा है कि श्री इन्द्रेश मैखुरी द्वारा पुलिस द्वारा जोशीमठ ब्लॉक के हेलग में महिलाओं और बच्चो को हिरासत में लिये जाने की शिकायत में बताया गया है कि "चमोली जिले के जोशीमठ ब्लॉक के हेलंग में घास काट कर लौट रही महिलाओं से घास छीनने और उन्हें गिरफ्तार करने की घटना पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय है। इस प्रकरण में जिस बात पर सबसे कम ध्यान दिया जा रहा है वो यह है कि न केवल महिलाओं को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया बल्कि एक डेढ़-दो साल की बच्ची को भी पुलिस कस्टडी में लिया गया है। इस बच्चे को भी एक घंटे से अधिक पुलिस के वाहन में बिना पानी दूध आदि के बैठाया रखा गया। यह समझ से परे है कि किसी अबोध बच्चे को इस तरह एक घंटे तक पुलिस की गाड़ी में क्यू और कैसे बैठाये रखा जा सकता है वह अबोध बच्चा किस अपराध का दोषी था ?"

अत: इस प्रकरण के सम्बन्ध में जाँच/नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए पांच अगस्त तक आयोग को आख्या उपलब्ध कराने का कष्ट करें। आयोग की ओर से इसकी प्रतिलिपि उत्तराखंड के डीजीपी व चमोली डीएम के साथ ही इन्द्रेश मैखुरी को भी भेजी गई है।

हैलंग की धमक मालधन में भी, महिला एकता मंच ने किया प्रदर्शन

हैलंग गांव की घसियारी महिलाओं से पुलिस व सीआईएसएफ के द्वारा जबरन घास छीनकर उन्हें घंटों तक गैरकानूनी हिरासत में रखे जाने के खिलाफ महिला एकता मंच के बैनर तले मालधन क्षेत्र की महिलाओं में जुलूस निकालकर आक्रोश व्यक्त किया तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान मालधन नंबर दो के चौराहे पर हुई सभा का संचालन करते हुए महिला एकता मंच की कौशल्या ने कहा कि हेलंग गांव में महिलाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार व उत्पीड़न की घटना उत्तराखंड की महिलाओं का अपमान है। अब यह लड़ाई केवल हेलंग गांव के लोगों की नहीं है बल्कि पूरे उत्तराखंड की बन चुकी है।

ललित उप्रेती ने कहा कि महिलाएं सदियों से अपने जंगलों से चारा पत्ती व अपनी जरूरत की वस्तुएं लाती हैं। आज सरकार द्वारा उनके मौलिक अधिकारों पर रोक लगाई जा रही है। हम महिलाओं पर अत्याचार सहन नहीं करेंगे यह हमारे उत्तराखंड की महिलाओं की एक अस्तित्व का सवाल है। युवा एकता मंच के इन्द्रजीत ने कहा उत्तराखंड आंदोलन व चिपको आंदोलन मे महिलाओं की अहम भूमिका रही है वर्तमान सरकार द्वारा आज महिलाओं के साथ बदसलूकी की जा रही है। उत्तराखंड की नदियों पर जल विद्युत परियोजनाएं लगाकर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

टीएचडीसी खेल का मैदान बनाने के नाम पर ग्रामीणों के हरे-भरे जंगलों व उनके गोचर

को बर्बाद कर रही है। अलकनंदा नदी का पानी डायवर्ट करने के लिए जो 13.5 किमी. लंबी टनल खोदी जा रही है उसमें विस्फोटक इस्तेमाल किए जा रहे हैं, जिससे उत्तराखंड के पर्यावरण को नुकसान होने के साथ ही क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। जिसका नुकसान वहां रहने वाले लोगों को भुगतना पड़ेगा। कार्यक्रम में सरस्वती जोशी, साहिस्ता, आन्नदी देवी, नीमा देवी, माया देवी, गंगा देवी, गीता देवी, चन्द्रा देवी, ममता देवी, महक, पार्वती देवी, दया देवी, राजेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।